REGISTERED No. D. 221



प्रसाधारण

# **EXTRAORDINARY**

到172

भाग II— कण्ड 3—उपलब्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (f)

प्राविकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 196]

नई विल्ली, वृहस्पतिवार, नवम्बर 4, 1971/कार्त्तिक 13, 1893

No. 196]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 4, 1971/KARTIKA 13, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के कप ने रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

#### ORDER

New Delhi, the 4th November 1971

G.S.R. 1682.—In exercise of the powers conferred by clause 4-A of Vegetable Oil Product Control Order. 1947, read with the notification of the Government of India in the late Ministry of Food and Agriculture No. G.S.R. 882, dated the 24th September. 1958, I. F.G.T. Menezes, hereby direct that the following amendment shall be made in the Order of the Government of India in the Ministry of Agriculture No. G.S.R. 1341 dated the 14th September, 1971, namely:—

In the said Order, after the existing proviso, the following provisos shall be added, namely:---

"Provided further that where the minimum quantity of vegetable oil product required to be manufactured by a producer during any month on the aforesaid basis exceeds his installed capacity for the manufacture of such vegetable oil product, the production of the vegetable oil product during that month shall be limited to his installed capacity:

Provided also that the Controller may, if he is satisfied that there are sufficient grounds for so doing, exempt any producer or class of producers from the provisions of this Order."

[No. 3-VP(4)/71.]

F. G. T. MENEZES.

Director (Vanaspati).

## कुषि मंत्रालय

(लाद्य विभाग)

### मावेश

## मई दिल्ली, 4 नवम्बर , 1971

सा० का० नि० 1682.—मारत सरकार के भूतपूर्व खार धीर कृषि मंद्रालय की अधिमूचना स०सा०का०नि०88 2,तारीख 24सितम्बर, 1958 केसाथ पठित,वनस्पति तेल उत्पाद नियंद्रण आदेश, 1947 के खण्ड 4-क द्वारा प्रदश शक्तियों का प्रयोग करते श्रुए, मैं, एफ० जी० टी० मेनेजेज, एतद्द्वारा विदेश देता हूं कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के आदेश सं० सा० का० नि० 1341,तारीख 14 सितम्बर, 1971 में निम्निजिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :—

उक्त ग्रादेश में, विश्वमान परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखत परन्तुक ओड़े जाएंगे, ग्रर्थात् :--''परन्तु यह ग्रौर कि जहां बनस्पति तेल उत्पाद की न्यूनतम माला, जिसके विनिर्माण की भ्रपेक्षा
किसी मास के दौरान किसी उत्पादक से पूर्वोक्त ग्राधार पर की जाती है, ऐसे बनस्पति तेल
उत्पाद के विनिर्माण के लिए उसकी संस्थापित क्षमता से भ्रधिक हो जाती है तो
उस मास के दौरान बनस्पति तेल उत्पाद का उत्पादन उसकी संस्थापित क्षमता तक सीमित

रहेगा :

परन्तु यह प्रीर भी कि यदि नियंत्रक का समाधान हो जाए कि ऐसा करने के लिए पर्याप्त प्राधार हैं तो वह किसी उत्पादक या उत्पादकों के वर्ग को इस भादेश के उपबन्धों से छूट दे सकेगा।"

> [सं• 3-जी पी (4) / 71] एफ जी ब्टी के जेज, निदेशक (वनस्पति)।